

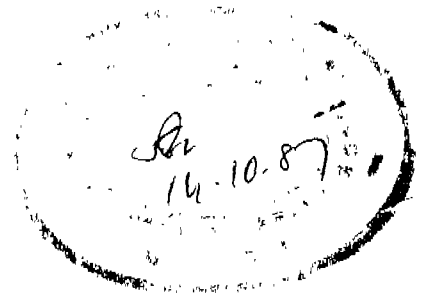


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 185]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 2, 1987/भाद्रपद 11, 1909

No. 185]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 2, 1987/BHADRA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

मार्चनिक सूचना सं. 211-आईटीसी (पाएन)/85-88

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1987

विषय:—अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए आयात निर्यात नीति।
फा.सं. आईटीसी/4/5/(424)/85-88 :—वाणिज्य मंत्रालय की
मार्चनिक सूचना संख्या 1-आईटीसी (पीएन)/85-88, दिनांक 12
अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए
व्यापारसंबंधित आयात, निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर
किए जायेंगे :—

क्रम	आयात- निर्यात-नीति	संशोधन	संशोधन
1	1985-88 (खंड-1) की पृष्ठ संख्या	संशोधन	
1	47	अध्याय-8 पैरा 148 आईआर	वर्तमान उप पैरे (6) के बाद निम्न- लिखित उप पैरा जोड़ा जाएगा :— “(7) उपयुक्त उप पैरे (5) और (6)

एमएसी : 1
(आर्थिक
कक्षा मास
महापता केन्द्र
स्कीम

के प्रावधानों के अधीन निर्यात सदनों/
व्यापार सदनों की दिए गए लाइसेंस
निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगे।
(1) निर्यात सदनों/व्यापार सदनों की
आयात करने के लिए प्रस्तावित
मदनों की सूची को उनकी मात्रा
सहित प्रस्तुत करनी अपेक्षित
होगी। इस सूची का देश में मांग
का ध्यान में रखने के बाद
विभिन्न सदनों की आयातों की
संभावित निकासी के संबंध में जांच
की जाएगी।

(2) इस स्कीम के अधीन केवल सीमित
अनुमति सूची में दी गई मदों के
आयात की अनुमति दी जाएगी।

(3) जिस अधिकतम मूल्य सीमा के
लिए आयात आरक्षण जारी किया
जा सकता है वह निर्यात मदन
के मामले में 50 लाख रुपये और
व्यापार सदनों के मामले में 1
करोड़ रुपये होगी।

1	2	3	4
			(4) उन मर्दों के लिए लाइसेंस जारी नहीं किया जायगा जिनके लिए पहले से ही आयात के लिए या थोक लाइसेंस जारी करने के लिए अलग प्रावधान है।
			(5) प्रत्येक मद की अधिकतम मूल्य सीमा 10 लाख रुपये होगी।
			(6) लाइसेंस 12 महीने की अवधि के लिए वैध होंगे।
			(7) व्यापार सदनों/निर्यात सदनों द्वारा पूर्ति केवल वैध आयात लाइसेंस के मद्दे की जानी चाहिए और निर्धारित पूर्ति की सीमा तक, संबंधित लाइसेंस मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति के मद्दे सीधे आयात के लिए या प्रेषण के लिए वैध नहीं होगा।
			सप्लाई किए जाने वाले माल का मुख्य क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा आयात लाइसेंस के नामे डाला जाना चाहिए।
			(8) निर्यात सदनों/व्यापार सदनों को आयातित मर्दों तथा किए गए वितरण के व्यौरे लाइसेंस की वैधता अवधि की समाप्ति के बाद तीन महीनों के अन्दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजना अपेक्षित होगा। त्रुटि भंडार की प्रतिपूर्ति के लिए नए लाइसेंस जारी करने पर ऐसी रिपोर्टों की प्राप्ति के बाद ही विचार किया जायगा।
			(9) आयात लाइसेंसों को जारी करने के लिए सभी आवेदन पत्रों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा विचार किया जाएगा।
2	173 (176)	परिशिष्ट-6 सूची-2	वर्तमान प्रविष्टि सं. 51 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि को जोड़ा जाएगा :— “52. अल्ट्रासोनिक लिथोट्राइट आदि के साथ निरस्तर इरिगेशन और सक्शन सहित गुदों की पम्परियों को निकालने के लिए पर-कटेनियस निफरोमेटोमी और पर-कटेनियस के लिए आपरेटिंग सेट।”
3	176 (179)	परिशिष्ट-6 सूची-3	वर्तमान प्रविष्टि सं. 20 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जाएंगी “121. अनिकासिन सल्फेट इन्जेक्शन 122. तौहराभाइसिन सल्फेट इन्जेक्शन 123. सोडियम नाइट्रोप्रुसीडो इन्जेक्शन

1	2	3	4
			124. मेडराक्सोप्रोजेस्ट्रोन एसिटेट गोलियां 125. मीथाइलप्रीडनाजोलीन इन्जेक्शन 126. पोटेशियम-4-प्रमीनोबेन्जोएट कैप्सूल/गोलियां। 127. डिमुलकोराम गोलियां 128. ब्रॉमोक्रिप्टिन गोलियां/कैप्सूल 129. प्राइडोनोल काबामेट कैप्सूल 130. एसीटायल साइसटीन इन्जेक्शन 131. प्राजीक्वांटल गोलियां।”
3. वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 2-आईटीसी (पीएन)/85—88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985—88 की ओर और भी ध्यान दिलाया जाता है। उक्त प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन उपयुक्त स्थानों में किए जाएंगे।			
कम आयात-सं. निर्यात	संदर्भ	संशोधन	
प्रक्रिया-पुस्तक 1985—88 की पृष्ठ संख्या			
1	2	3	4
1 19	अध्याय 2 सामान्य लाइसेंसिंग प्रक्रिया	वर्तमान पैराग्राफ संख्या 138 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “शिकायत सैल/समितियां 138 (क) व्यापार तथा उद्योग की शिकायतों को तत्काल दूर करने के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात व निर्यात के कार्यालय (मुख्यालय), उद्योग भवन, नई दिल्ली में एक शिकायत सैल की स्थापना की गई है। इसी प्रकार, क्षेत्रीय लाइसेंसिंग कार्यालयों में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात की अव्यवस्था में शिकायत समितियों को गठित किया गया है। व्यापार तथा उद्योग से प्राप्त अव्यवधानों/शिकायतों पर शिकायतों को दूर करने के लिए शिकायत सैल/समितियों द्वारा विचार किया जाएगा।”	
2 19	अध्याय-2 सामान्य लाइसेंसिंग पैरा 138	दूसरी पंक्ति में “नई दिल्ली” शब्द के बाद निम्न प्रविष्टि को जोड़ा जाएगा : “क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात व निर्यात,”	
3 138	परिशिष्ट-2(ख) क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों की सूची (उनके डाक व तार पते तथा उनके क्षेत्राधिकार) कम सं. (14)	कालम संख्या 4 की वर्तमान प्रविष्टि को निम्नानुसार पढ़े जाने के लिए संशोधित किया जायगा :— “मेधाव्य, विदुरा तथा निमोस्ल।”	

1	2	3	4
4	138	परिशिष्ट 2 का लम् (1) से (4) की प्रविष्टियों को (ख) क्रम सं. हटा दिया जायगा। (17) सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात व निर्यात, बी.के. रोड पैलेस कंपाउण्ड, अगरतला- 799001	

4. आयात-निर्यात नीति तथा आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक में उपर्युक्त संशोधन शोकहित में किए गए हैं।

(ह०/)

(राजीव लोचन मिश्र)

मुख्य नियंत्रक, आयात व निर्यात

संजुला सुबहामणियम,

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात व निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE No. 211-ITC (PN)/85—88

New Delhi, the 2nd September, 1987

Subject: Import and Export Policy for April, 1985—March 1988.

F.No. IPC/4/5/(424)/85—88.—Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1985—March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC (PN)/85—88, dated the 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of Import & Export Policy, 1985-88 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3	4
1.	47	CHAPTER VIII Paragraph 148 IRMAC (Industrial Raw Materials Assistance Centre) Scheme	After the existing sub-paragraph (6), the following sub-paragraph shall be added. “(7) The licences granted to Export Houses/Trading Houses under the provisions of sub-paragraphs (5) and (6) above, shall be subject to the following conditions :— (i) The Export Houses/Trading Houses will

be required to submit a list of items proposed to be imported along with the quantities. The list will be examined with regard to the likely clearance of imports of the various items after taking the indigenous demand into consideration.

(ii) Import of items appearing in the Limited permissible list will only be allowed under the scheme.

(iii) The maximum value limit for which an import licence may be issued shall be Rs. 50 Lakhs in the case of Export House and Rs. 1 Crore in the case of Trading House.

(iv) Licences shall not be issued for those items for which there is already a separate provision for imports or for issue of bulk licences.

(v) The maximum value limit per item shall be Rs. 10 Lakhs.

(vi) The licences shall be valid for a period of 12 months.

(vii) Supplies by Trading Houses/Export Houses should be made only against valid import licences and to the extent supplies are made, the licence in question will not be valid for direct import or for remittance against exchange control copy.

The value of goods to be supplied should be got debited to the import licence by the regional licensing authorities.

(viii) The Export Houses/Trading Houses shall be required to furnish to the Chief Controller of Imports & Exports,

1	2	3	4	the said Hand Book at the appropriate places as indicated below :—
				Sl. Page No. of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88
				Reference
				Amendments
1	2	3	4	
				1. 19 CHAPTER II General Licensing Procedures
				After the existing paragraph No. 138, the following shall be added:— "Grievance Cell/Committees 138. (A). For speedy redressal of grievances of trade and industry, a Grievance Cell has been set up in the Office of the CCI&E (Hqrs.), Udyog Bhavan, New Delhi. Similarly, Grievance Committees have also been constituted at Regional Licensing Offices headed by Joint Chief Controllers of Imports & Exports. The representations/complaints received from the trade and industry shall be considered by the Grievance Cell/Committees to remove their grievances."
2. 173 (176)	Appendix 6 List 2			2. 19 CHAPTER II General Licensing Paragraph 138
				After the word "New Delhi" in the Second line, the following shall be inserted : "/Regional Joint Chief Controllers of Imports & Exports,"
3. 176 (179)	Appendix 6 List 3			3. 138 APPENDIX-II-B List of Regional Licensing Authorities (with their Postal & Telegraphic Addresses) and jurisdiction. S.I. No. (14)
				The existing entry in Col. 4 shall be amended to read as under— "Meghalaya, Tripura and Mizoram".
				4. 138 APPENDIX-II-B Sl. No. (17) The Asstt. Chief Controller of Imports & Exports, B.K. Road, Palace Compound, Agartala—799001
				Entries in Cols. (1) to (4) shall be deleted.

4. The above amendments in the Import & Export Policy and Hand Book of Import-Export Procedures have been made in the public interest.

(Sd./-)

(R.L. MISRA,)

Chief Controller of Imports & Exports.

MANJULA SUBRAMANIAM,
Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

3. Attention is also invited to the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88, published under the Ministry of Commerce, Public Notice No. 2-ITC(PN)/85-88 dated the 12th April, 1985. The following amendments shall be made in